भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

29.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1654 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के लिए रेलवे स्टेशनों की संख्या

1654. एडवोकेट अदूर प्रकाश:
श्री एंटो एन्टोनी:
श्री बैन्नी बेहनन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के शुभारंभ से इसके तहत पुनर्विकास के लिए चुने गए रेलवे स्टेशनों की संख्या कितनी है तथा पूर्ण हो चुकी, चल रही और अभी शुरू नहीं हुई योजनाओं की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और वर्ष-वार वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) ऐसे स्टेशनों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या कितनी है जहां अभी तक निविदाएं जारी नहीं की गई हैं या निविदाएं रद्द कर दी गई हैं;

(ग) इस योजना के तहत मूल लक्षित पूर्ण होने की तिथि से दो वर्ष से अधिक विलंबित स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या कितनी है;

(घ) उक्त योजना के शुभारंभ से इसके तहत आवंटित, जारी और उपयोग की गई निधि का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा पुनर्विकास कार्यों के दौरान देरी, ठेकेदार के निष्पादन, कार्य की गुणवत्ता और यात्रियों को होने वाली असुविधा की निगरानी के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप अधिक चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे की व्यवस्था
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप की व्यवस्था
- प्लेटफॉर्म की सतह का सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टी मोडाल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से निम्नलिखित 261 स्टेशनों के कार्य को पूरा कर लिया गया है, शेष स्टेशनों

पर कार्य मास्टर प्लानिंग/संविदा/निष्पादन के विभिन्न चरणों के अंतर्गत हैं। जिन स्टेशनों का कार्य पूरा किया जा चुका है, उनके नाम निम्नानुसार हैं:

ऐशबाग जंक्शन, अलनावर, अंब अंदौरा, अम्बासमुद्रम, अंबिकापुर, आमगांव, आनंदपुर साहिब, अनारा, कालडी के लिए अंगमाली, अशोकनगर अयोध्या धाम जंक्शन, बछरावाँ, बादामी, बागलकोट, बहेरी, बैजनाथ पपरोला, बालाघाट, बलांगीर, बालोद, बलरामपुर, बनमनखी, बंतावाला, बाराभूम, बारामती, बरेली सिटी, बारीपदा, बाड़मेर, बरपाली, बेगमपेट, ब्योहारी, भक्तिनगर, भानुप्रतापपुर, भिलाई, भिंड, बिजनौर, बिमलगढ़, बोम्मिडी, बूंदी, भायखला, चाईबासा, चालकुडी, चंपा, चंदा फोर्ट, चाण्डिल, चंगनास्सेरी, चेन्नै पार्क, छिंदवाड़ा, चिदंबरम, चिंचपोकली, चिन्ना सेलम, चिरायिंकीझ, चुनार जंक्शन, कुन्नूर, कुंबुम, कटक, डाकोर, डालीगंज, दल्लीराझरा, दौरम मधेपुरा, दौसा, डीग, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धामपुर, धारवाड़, धुले, दीघा, डोंगरगढ़, एलुरु, फतेहाबाद, फतेहनगर, फतेहपुर, फतेहपुर शेखावाटी, फेरोक, गडग, गंगापुर सिटी, गड़बेत्ता, गौरीगंज, गिरिडीह, गोड्डा, गोधरा जंक्शन, गोगामेड़ी, गोकक रोड, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोटन, गोवर्धन, गोविंद गढ़, गोविंदपुर रोड, गोविंदपुरी, गुरूवायूर, हफिजपेट, हैबरगांव, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हापा, हरपालपुर, हर्रावाला, हाथरस सिटी, हाई-टेक सिटी, हिमायतनगर, होडल, होसपेट, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जैसलमेर, जालंधर कैंटोनमेंट जं., जलपाईगुड़ी रोड, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जनगांव, जींद जं., जॉयचंदी पहाड़ जंक्शन, जुन्नोर देव, कहलगांव, काकीनाडा टाउन जंक्शन, कालका, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कनालुस जंक्शन, कराईकुडी जंक्शन, करमसद, करीमनगर, कटनी दक्षिण, कतरासगढ़, केडगांव, केसिंगा, खैरथल, खलीलाबाद, खंभालिया, खरियार रोड़, कोप्पल, कोसंबा जंक्शन, कोटद्वार, कुलितुरई, कुट्टिपुरम, लासलगांव, लिम्बडी, लोहरदगा, लोनांद जंक्शन, मधुपुर जंक्शन, महबूबाबाद, माहे, महुवा, मैलानी जंक्शन, माजबाट, मल्कापुर, माम्बलम, मनापराई, मंडल गढ़, मंडावर महवा रोड, मंडी डबवाली, मंगलागिरी, मन्नारगुडी, माटुंगा, मावेलिक्करा, एमसीएस छतरपुर, मीठापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मोरप्पुर, मोरबी, मुक्तसर, मुनिराबाद, मुरी जंक्शन, मुर्तिजापुर जंक्शन, नैनपुर जंक्शन, नमक्कल, नंदुरा, नर्मदापुरम, नरवाना जंक्शन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन,

निदादावोलू जंक्शन, नीलांबुर रोड, ओखा, ओरई, ओरछा, पाकुड़, पलनि, पालीताना, पानागढ़, पनकी धाम, परमक्कुडी, परप्पनंगडी, परेल, परलाखेमुंडी, फाफामऊ जं., पीरपैंती, पिस्का, पुखरायां, पोलाची जंक्शन, पोलूर, पोरबंदर, प्रतापनगर, प्रयाग जं., राजनांदगांव, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामागुंडम, रामगढ़ कैंटोनमेंट, रामघाट हाल्ट, रानिबेन्नूर, रायनपाडु, सबौर, सहारनपुर जंक्शन, साहिबगंज, सलेमपुर, समखियाली, समलपट्टी, सांची, शंकरपुर, सरोना, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, सावदा, सिवनी, शहाद, शाजापुर, शामली, शिवनारायणपुर, शिवपुरी, शोलावंदन, शोरानूर जंक्शन, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सीहोर जंक्शन, सिमुलतला, सिउरी, सोजत रोड, सोमेसर, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, सुब्रह्मण्य रोड, सुल्लुरपेटा, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छापिया, तालचेर, तामलुक, टनकपुर, थालास्सेरी, थावे, थिरुवरूर जंक्शन, टीकमगढ़, तिरूर, तिरुवन्नामलाई, त्रिपुनिथुरा, टूनी, उदगमंडलम, उझानी, उरकुरा, उतरन, वडकारा, वडाला रोड, विदिशा, विंध्याचल, वृद्धाचलम जंक्शन, वडकांचेरी, वारंगल।

अन्य स्टेशनों पर विकास के कार्यकलाप भी अच्छी गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- भुवनेश्वर स्टेशन: पश्चिम और पूर्व की तरफ नए स्टेशन भवन, एयर कॉनकोर्स, पश्चिम और पूर्व की तरफ एलिवेटेड ड्राइववे और ऊपरी सड़क पुल के विस्तार का कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, लिफ्ट और एस्केलेटर का कार्य शुरू किया गया है।

- छत्रपति संभाजीनगर स्टेशन: उत्तर की तरफ नए डाकघर भवन और पार्सल कार्यालय, रेल सुरक्षा बल और राजकीय रेल पुलिस के नए भवन का कार्य पूरा हो चुका है। दक्षिण की तरफ नए आगमन और प्रस्थान भवन, नया प्रतीक्षालय, शौचालय, एयर कॉनकोर्स, 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, थ्रू-रूफ, उत्तर और दक्षिण की तरफ नए भूमिगत टैंक, उत्तर और दक्षिण की तरफ नए सीवेज उपचार संयंत्र, नए विद्युत उप-स्टेशन भवन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- **गया स्टेशन: द्वितीय प्रवेश द्वार पर नए आगमन भवन का कार्य पूरा हो चुका है। द्वितीय प्रवेश द्वार पर नए प्रस्थान भवन, मुख्य प्रवेश द्वार पर नए आगमन और प्रस्थान भवन, नया प्लेटफॉर्म सं. 8, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, एयर कॉनकोर्स और परिचलन क्षेत्र के सुधार का कार्य किया गया है।**

- **नागपुर जंक्शन स्टेशन: यात्री आरक्षण प्रणाली भवन और बुकिंग कार्यालयों के पुनर्स्थापन का कार्य तथा मुख्य प्रवेश द्वार की तरफ पार्किंग में सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। नए प्रशासनिक भवन, मुख्य प्रवेश द्वार की तरफ प्रस्थान भवन और बेसमेंट पार्किंग के निर्माण का कार्य, दूसरे प्रवेश द्वार की ओर प्रस्थान भवन और एकीकृत बेसमेंट का निर्माण, नए एयर कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म सं. 8 पर प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य शुरू किया गया है।**

- **रामेश्वरम स्टेशन: मल्टी फंक्शनल कॉम्प्लेक्स भवन को रिटायरिंग रूम में परिवर्तित करने, पूर्वी और उत्तरी टर्मिनल भवन के संरचनात्मक कार्य, पार्सल कार्यालय, प्रस्थान फोरकोर्ट, आगमन फोरकोर्ट, सबस्टेशन भवन और सीवेज उपचार संयंत्र के कार्य पूरे हो चुके हैं। पूर्वी टर्मिनल भवन, उत्तरी टर्मिनल भवन, प्रस्थान फोरकोर्ट, सीवेज उपचार संयंत्र, आगमन फोरकोर्ट, प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्रतीक्षालय के फिनिशिंग के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **तिरुपति स्टेशन: नए दक्षिण की तरफ स्टेशन भवन (जी+3+बेसमेंट), नए उत्तर की तरफ स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, एयर कॉनकोर्स, भूमिगत और ओवरहेड पानी की टंकियाँ, सीवेज उपचार संयंत्र, वर्षा जल संचयन, ऊपरी सड़क पुल के लिए रैंप, लिफ्ट और एस्केलेटर का कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन, कनेक्टिंग ब्रिज, पहुंच मार्ग और प्लेटफॉर्म शेल्टर के फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

केरलमः

- **अंगाडिप्पुरम स्टेशनः स्टेशन भवन, नए प्रवेश प्रांगण, कॉनकोर्स, बुकिंग कार्यालय, प्लेटफार्म शेल्टर में सुधार, प्लेटफार्म संख्या 1 तथा 2 की प्लेटफार्म सतह में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, पहुंच मार्ग, लिफ्ट, कोच इंडिकेशन बोर्ड, ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड तथा संकेतक की संस्थापना के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।**

- **कासरगोड स्टेशनः स्टेशन भवन में सुधार, नए प्रवेश प्रांगण, बुकिंग कार्यालय तथा कॉनकोर्स में सुधार, प्लेटफार्म संख्या 2 तथा 3 की प्लेटफार्म सतह में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्लेटफार्म शेल्टर, लिफ्ट में सुधार, कोच इंडिकेशन बोर्ड की संस्थापना तथा दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं में सुधार के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। प्लेटफार्म संख्या 1 के विस्तार, 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, एस्केलेटर तथा द्वितीय प्रवेश द्वार पर पार्किंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **कोल्लम जंक्शन स्टेशनः सर्विस भवन, मल्टी लेवल कार पार्किंग तथा पार्सल भवन के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, एयर कॉनकोर्स, नार्थ टर्मिनल भवन, साउथ टर्मिनल भवन तथा प्लेटफार्म उन्नयन के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **कोझिक्कोड स्टेशनः मल्टी लेवल कार पार्किंग- प्रथम एवं द्वितीय, पूर्वी टर्मिनल भवन, पश्चिमी टर्मिनल भवन, स्टाफ क्वार्टर, रेल स्वास्थ्य इकाई तथा रेल कार्यालय भवन के संरचनात्मक कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **पैय्यनूर स्टेशनः प्लेटफार्म संख्या 2 तथा 3 की ऊंचाई बढ़ाने, प्लेटफार्म शेल्टर, कॉनकोर्स में सुधार, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय, द्वितीय प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, कोच इंडिकेशन बोर्ड तथा ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड की संस्थापना के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन में सुधार, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार,**

दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल तथा लिफ्ट के कार्य शुरू किए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में निर्माण कार्य परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/यातायात संभलाई आदि के आधार पर किया जाता है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन काफी समय से परिचालित हैं, इसलिए जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघनों को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउनफील्ड कार्य संबंधी चुनौतियां सामने आ रही हैं और ये कारक कार्य की प्रगति और कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत शामिल स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय के ब्यौरे क्षेत्रीय रेल-वार रखे जाते हैं, न कि स्टेशन-वार या राज्य-वार। योजना शीर्ष - 53 के तहत वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 11,972 करोड़ रु. की निधि आबंटित की गई है और अब तक (जून, 2026 तक) 4,633 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया गया है।

भारतीय रेल में परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक सुस्थापित तंत्र है जिसमें उनकी समीक्षा, निरीक्षण, कार्यों की गुणवत्ता की जांच शामिल हैं। विभिन्न संहिताओं और नियमावलियों में निर्धारित मानकों और विशिष्टताओं का अनुपालन करते हुए निर्माण कार्य किए जाते हैं। निर्धारित अनुदेशों के अनुसार, विभिन्न एजेंसियों/पदाधिकारियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण/जांचें की जाती हैं और सुधार के लिए तुरंत कार्रवाई की जाती है। यह एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

भारतीय रेल ने ब्राउनफील्ड स्टेशन परियोजनाओं में स्थान की कमी, जनोपयोगिताओं का स्थानांतरण और परिचालनिक निरंतरता के समाधान के लिए चरणबद्ध, यात्री-केंद्रित पुनर्विकास रणनीति अपनाई है। रेल भूमि का कुशलतापूर्वक उपयोग करके कार्यात्मक क्षेत्र सुनिश्चित करते हुए स्टेशन संपदा की समग्र रूप से मास्टर योजना बनाई जाती है। सेवा व्यवधानों की रोकथाम के लिए स्थानीय एजेंसिंयों के समन्वय से विस्तृत जनोपयोगिता मापचित्रण और अग्रिम मार्ग परिवर्तन योजना बनाई गई है। कार्यों का निष्पादन सावधानीपूर्वक चरणों में किया जाता है, ताकि रेलगाड़ी परिचालन और आवश्यक यात्री सुविधाएं कार्यात्मक बनी रहें। पुनर्विकास अवधि के दौरान यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए जहां भी आवश्यक हो, अस्थायी सुविधाएं, स्पष्ट संकेत और भीड़ प्रबंधन संबंधी उपाय भी किए जाते हैं।

*****